भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 14 मई, 2026
जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) 16 मई, 2026 के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
(ii) इस सप्ताह के कई दिनों तक उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहने की संभावना है।
(iii) इस सप्ताह के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में और अगले 4-5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

आज, 14 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ओडिशा, मेघालय, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है, जबकि उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा हुई है।
- मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, उत्तराखंड, झारखंड, बिहार, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, ओडिशा, सौराष्ट्र कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, केरल और केरल में अलग-अलग स्थानों पर 50-130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। माहे, मध्य महाराष्ट्र और गंगीय पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, कोंकण और गोवा, गुजरात क्षेत्र, पूर्वी राजस्थान, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंच गई।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठावाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना है।
- सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर तक की स्थिति बनी रही। विदर्भ, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में भी ऊष्ण लहर की स्थिति रही।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में रातें गर्म रहीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- अधिकतम तापमान (दिनांक 13-05-2026): कल, राजस्थान, गुजरात, मराठवाड़ा, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 42°C और उससे अधिक रहा; जबकि हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, कर्नाटक, कोंकण और गोवा, तेलंगाना, पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश भागों में यह 34-42°C के बीच रहा और देश के शेष भागों में 34°C से कम रहा। **जैसलमेर (राजस्थान) में उच्चतम अधिकतम तापमान 46.1°C दर्ज किया गया।**

- अधिकतम तापमान में अंतर (13-05-2026 तक): पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C); पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर। पश्चिमी राजस्थान के कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C); अरुणाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और विदर्भ के कुछ स्थानों पर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ स्थानों पर। असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फरबाद, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C)। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और तेलंगाना में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहा; उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, छत्तीसगढ़, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुछ स्थानों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड और बिहार में छिटपुट स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; असम, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।
- पश्चिमी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; असम, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- 16 मई, 2026 के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
- कल दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र आज, 14 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समय) तक उसी क्षेत्र में बना रहा और इससे संबंधित चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ था।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- पूर्व-पश्चिम दिशा में बनने वाली निम्न दबाव रेखा अब दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैली हुई है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में स्थित है।
- 15 मई 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 14 मई को और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में 15 और 16 मई को छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 14 और 15 मई को और उत्तर प्रदेश में 14 मई को छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 14 से 17 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज के साथ बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; 16 से 18 मई के दौरान असम और मेघालय में भी यही स्थिति रहेगी।
- 14 से 16 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 15 से 17 मई और 19 और 20 मई के दौरान असम और मेघालय में, तथा 17 से 20 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है। असम और मेघालय में 14 और 18 मई को छिटपुट बहुत भारी बारिश हो सकती है।

पूर्वी भारत:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 से 17 मई के दौरान, बिहार में 14 से 20 मई के दौरान, झारखंड में 14 से 16 मई के दौरान और ओडिशा में 14 और 15 मई के दौरान छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 14 मई को, बिहार में 16 और 20 मई को, झारखंड में 17 और 18 मई को और ओडिशा में 14 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 14, 15 और 18 मई को और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 और 15 मई को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। 16 और 17 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट रूप से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- पूर्वी मध्य प्रदेश में 14 तारीख को, विदर्भ में 14 और 15 तारीख को, और छत्तीसगढ़ में 14 से 17 मई के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 15 और 16 मई को कोंकण और गोवा में तथा 14 से 16 मई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 14 से 18 मई के दौरान केरल, माहे, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, 14 और 15 मई के दौरान लक्षद्वीप, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है 14 से 18 मई के दौरान केरल, माहे, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, 14 और 15 मई के दौरान लक्षद्वीप, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।
- 14 से 19 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, 14 से 17 मई के दौरान केरल और माहे, और 15 से 17 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- 14 और 15 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और 14 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- 14 से 19 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, 14 से 17 मई के दौरान केरल और माहे, और 15 से 17 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

- ❖ 14 और 15 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और 14 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 17 मई तक अधिकतम तापमान में 3-5°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 18 से 20 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ मध्य भारत में 16 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 17 से 20 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ पूर्वी भारत में 16 मई तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 17 से 20 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात में 14 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है, 15 से 17 मई के दौरान इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी और 18 से 20 मई के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 16 मई तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 17 से 20 मई के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के शेष हिस्सों में 20 मई 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 17 से 19 मई के दौरान कई स्थानों पर और कुछ अलग-थलग इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 16 से 20 मई के दौरान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 से 17 मई के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14 से 17 मई और 20 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 14 से 16 मई और 20 मई को, पूर्वी राजस्थान में 17 से 20 मई के दौरान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 14 से 20 मई के दौरान, पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 से 20 मई के दौरान और छत्तीसगढ़ में 17 से 20 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है। तेलंगाना में 15 से 18 मई तक, कोंकण और गोवा में 15 और 16 मई को, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 14 मई को, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ में 14 और 15 मई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 से 20 मई तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18 और 19 मई को; और पश्चिमी राजस्थान में 17 से 19 मई तक छिटपुट ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 14 और 15 मई को, विदर्भ में 14 मई को कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की संभावना है; पश्चिमी राजस्थान में 17 से 19 मई तक छिटपुट गर्म रातें रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ **मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 14 मई से 19 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:**
- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 14 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, मध्य बंगाल की खाड़ी के सटे भाग और अंडमान सागर के ऊपर; 15 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे भाग और अंडमान सागर के ऊपर; 16 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई भाग, पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, पश्चिमी मध्य और उत्तरपूर्वी बंगाल की खाड़ी के सटे भाग, म्यांमार तट के साथ और उससे दूर, अंडमान सागर के ऊपर; 17 मई को मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र से सटे क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई भाग, पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, पश्चिमी मध्य और उत्तरपूर्वी बंगाल की खाड़ी के सटे भाग, म्यांमार तट के साथ और उससे दूर, अंडमान सागर के ऊपर। 18 मई को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और अंडमान सागर पर न जाएं।

- **अरब सागर**: 14 और 15 मई को केरल तट के साथ और उसके आसपास, लक्षद्वीप क्षेत्र पर; 14 से 17 मई तक दक्षिणी सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 14 से 17 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: मझियान (12)
- ओडिशा: बांकी (10)
- असम और मेघालय: मेनांग (9)
- उत्तर आंतरिक कर्नाटक: बेलगावी(7)

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- पूर्वी उत्तर प्रदेश: डोगराई 130, चुर्क 93, वाराणसी 91, प्रयागराज 65, बहराईच 56, गोरखपुर 54, सुल्तानपुर और आज़मगढ़ 46 प्रत्येक, लखनऊ 44, कानपुर 41, गोरखपुर 41, बास्ट 41, ग़ाज़ीपुर 37
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जी-चुल्हारा (बरेली) 130, शामली 91, बरेली 83, शाहजहाँपुर78, बरेली 59, अलीगढ 56, सरसावा 52, आगरा 43, हिंडन41, मुरादाबाद37।
- मध्य महाराष्ट्र: सतारा 96, खुतबाव दौंड (पुणे) 83, बारामती (पुणे) 52, सांगली 48
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: नलकाटा72, धलाई 39, तेलियामुरा-बैराज 35, लेम्बोचेरा 50, तैदु 37, कामजोंग:33 इम्फाल 33
- उत्तराखंड: रूड़की74, पंतनगर54, काशीपुर46, जॉलीग्रांट35, चमोली39, रानी चावड़ी 35, मुक्तेश्वर31
- झारखंड: रांची, लातेहार (72)
- बिहार: जीरादेई (70)
- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख: रामबन67
- ओडिशा: बोलांगीर (65)
- सौराष्ट्रकच्छ: खावड़ा(के) 61
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम (59)
- छत्तीसगढ़: सूरजपुर 57
- मराठवाड़ा: हिंगोली 52, टोंडापुर (हिंगोली) 52, अंबेजोगाई (बीड) 35
- पूर्वी मध्य प्रदेश: सतना 52
- गांगेय पश्चिम बंगाल: पुरुलिया (50); कल्याणी (43); बीजपुर (41)
- हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 48, सुंदरनगर 33
- अरुणाचल प्रदेश: अनिनी 41
- असम और मेघालय: मानस 43
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: सीहोर 43
- विदर्भ: बुलढाणा 43
- कोंकण और गोवा: कर्जत रायगढ़ 39, दापोली रत्नागिरी 28
- गुजरात क्षेत्र: अम्बाजी (बी.के.) 37

अनुलग्नक I

S.No.	Subdivision	14- May	15- May	16- May	17- May	18- May	19- May	20- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

Table-1: 7 Days Rainfall Forecast

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक II

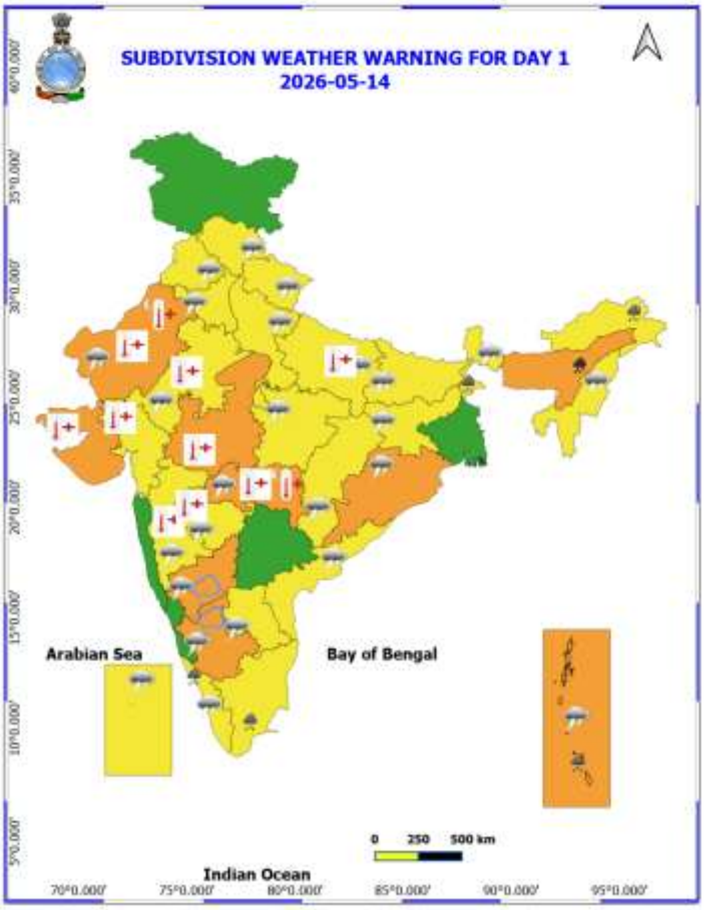
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-05-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
40°0.000' 35°0.000' 30°0.000' 25°0.000' 20°0.000' 15°0.000' 10°0.000' 5°0.000'

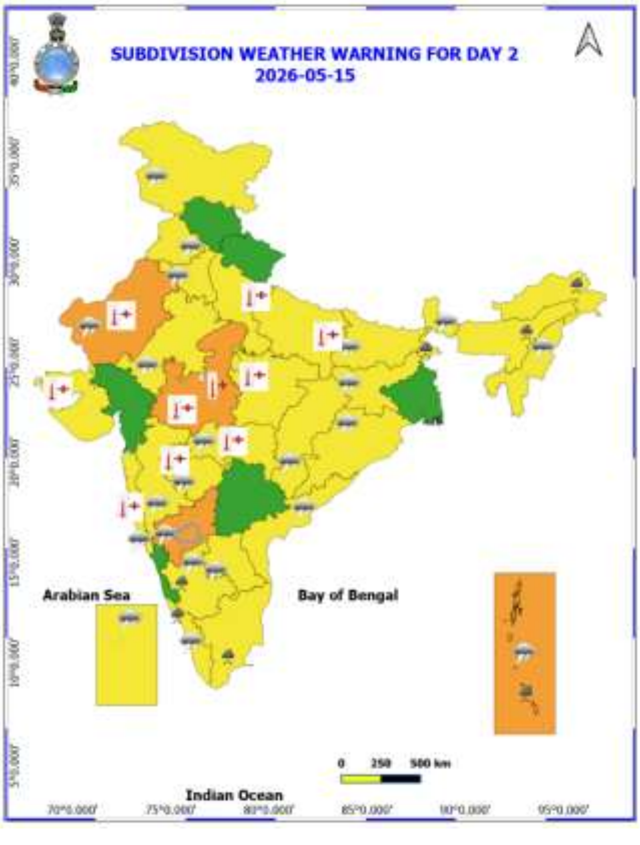
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-05-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

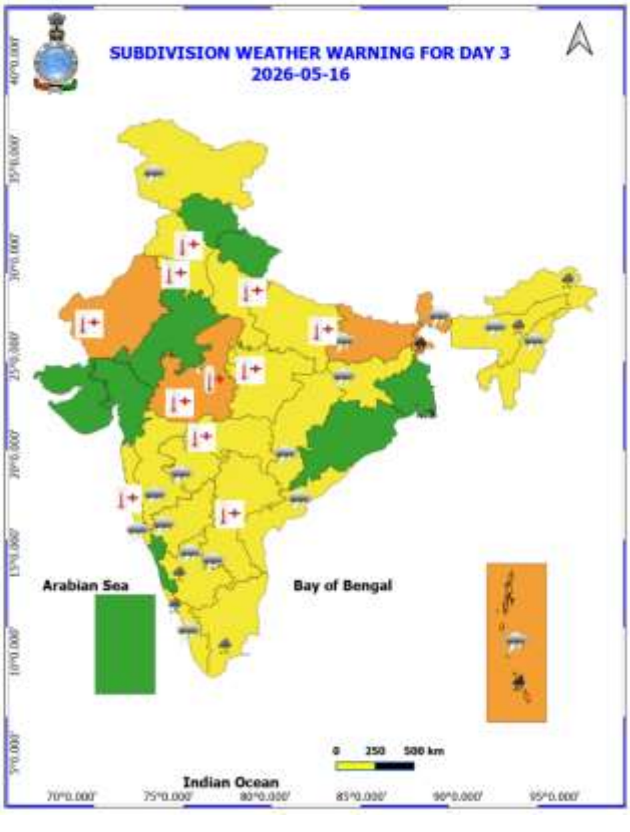
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-05-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

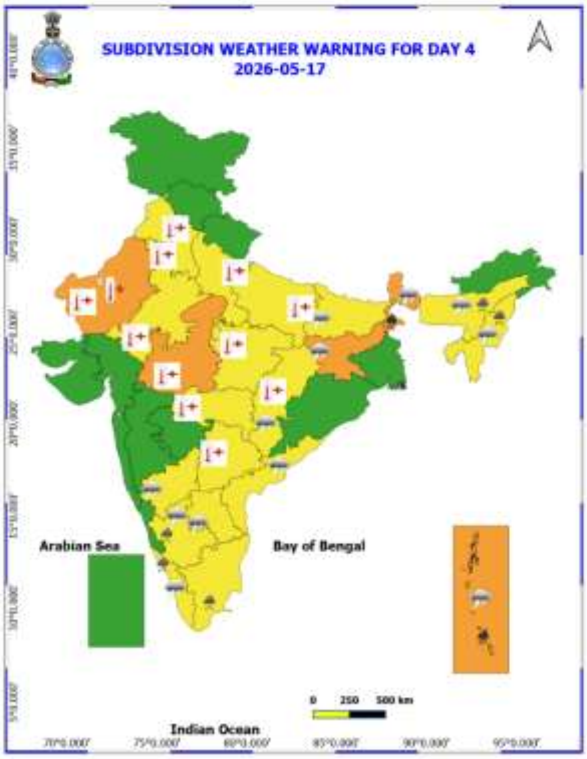

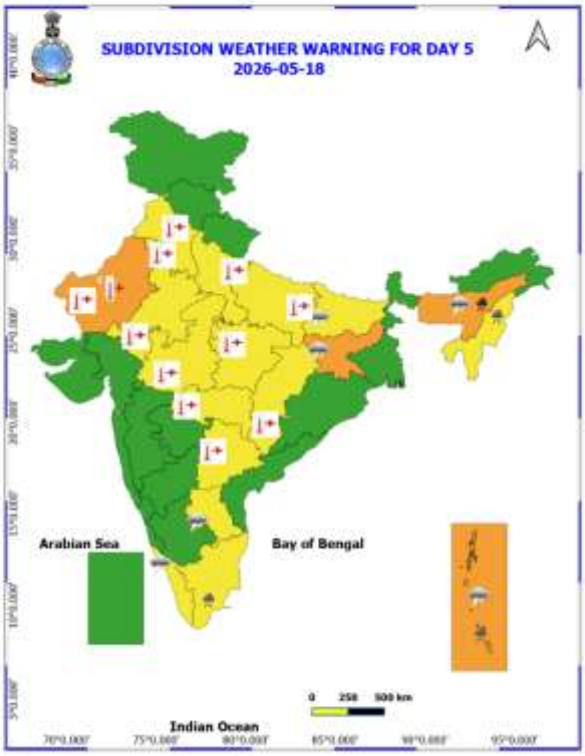

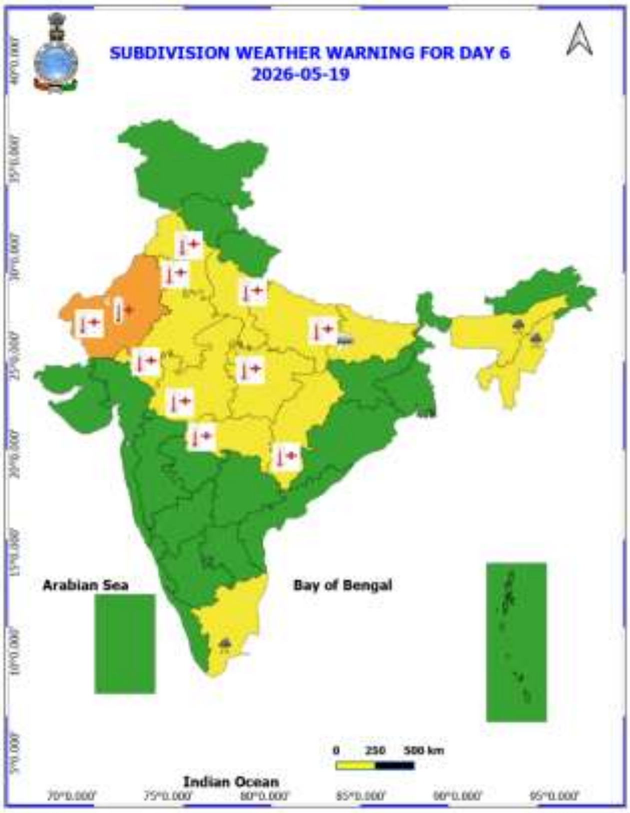

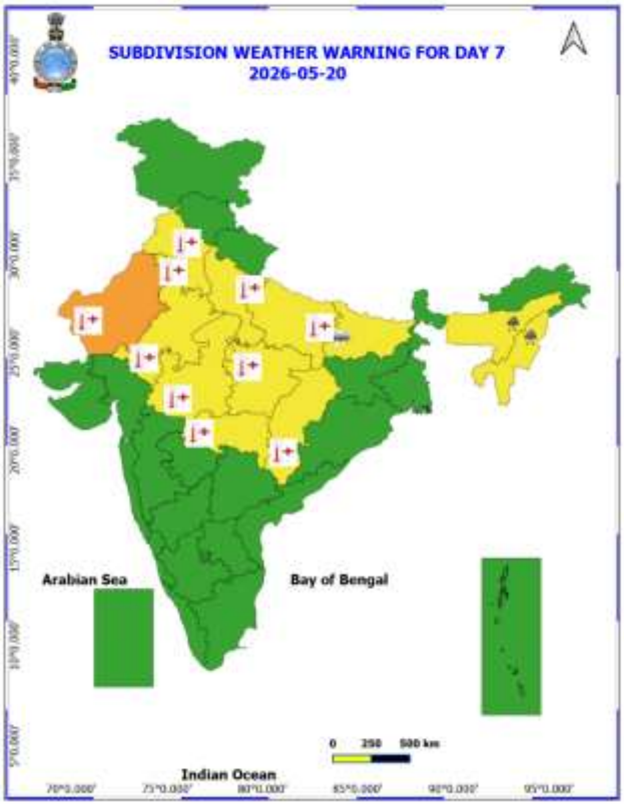

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

14 मई से 17 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2-5°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 38-39°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20-24°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C), कुछ स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति 15-20 किमी प्रति घंटा तक रही, जो दक्षिण-पूर्व दिशा से 98 किमी प्रति घंटा तक के झोंकों के साथ चली। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, जिसमें सतह पर हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

मौसम पूर्वानुमान:

14.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के दौरान गरज/बिजली और तेज हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 39°C से 41°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर दिशा से चलेगी।

15.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से घटकर 10 kmph तक रह जाएगी।

16.05.2026: आसमान ज़्यादातर साफ़ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph पर ही बनी रहेगी।

17.05.2026: आसमान ज़्यादातर साफ़ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज़्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय भी ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 kmph पर ही बनी रहेगी।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 14 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 16 और 20 मई को बिहार, 17 और 18 मई को झारखंड और 14 मई को ओडिशा में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 14 और 15 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और 14 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- ➢ केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ➢ शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ➢ ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ➢ खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ➢ तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- ➢ कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- ➢ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ➢ घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- ➢ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ➢ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- ➢ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ➢ तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- ➢ बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 14 से 16 मई के दौरान, असम और मेघालय में 15 से 17 मई और 19 और 20 मई को, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में 17 से 20 मई के दौरान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 14, 15 और 18 मई को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 14 और 15 मई को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 14 से 19 मई के दौरान, केरल और माहे में 14 से 17 मई के दौरान, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 15 से 17 मई के दौरान भारी वर्षा की संभावना है। साथ ही, असम और मेघालय में 14 और 18 मई को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 16 और 17 मई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।

- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 17 से 19 मई के दौरान कई स्थानों पर और कुछ अलग-थलग इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 16 से 20 मई के दौरान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 से 17 मई के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14 से 17 मई और 20 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 14 से 16 मई और 20 मई को, पूर्वी राजस्थान में 17 से 20 मई के दौरान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 14 से 20 मई के दौरान, पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 से 20 मई के दौरान और छत्तीसगढ़ में 17 से 20 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है। तेलंगाना में 15 से 18 मई के दौरान, कोंकण और गोवा में 15 और 16 मई को, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में 14 मई को, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ में 14 और 15 मई को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 से 20 मई के दौरान, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18 और 19 मई को; और पश्चिमी राजस्थान में 17 से 19 मई के दौरान छिटपुट ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज़्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमज़ोर लोगों (जैसे: शिशु, बुज़ुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **आंतरिक कर्नाटक** में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- ➢ जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **अरुणाचल प्रदेश** में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

- **असम** में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में**,** अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और लाल मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। टमाटर और लाल मिर्च के पौधों को सहारा प्रदान करें। परिपक्व फसलों की कटाई जल्द से जल्द करें और उन्हें सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें। नर्सरी एवं नए पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए आवरण का उपयोग करें।
- **अंडमान और निकोबार** में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, लौकी, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **गुजरात** में सुबह या शाम के समय ग्वार, मूंगफली, मूंग, उड़द तथा खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी सब्जियों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली की फसल में फूल आने तथा पेगिंग अवस्था पर सिंचाई करें। **सौराष्ट्र और कच्छ** में शुष्क मौसम के दौरान आम के बागों में उचित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें। अधिक तापमान के कारण सब्जी फसलों में बार-बार सिंचाई करें, नर्सरी एवं युवा पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए 50%-75% हरे शेड नेट का उपयोग करें तथा सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम के समय करें।
- **महाराष्ट्र** में सुबह या शाम के समय सब्जियों और बागों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें तथा फसलों की संवेदनशील अवस्थाओं में सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाएं। **कोंकण** क्षेत्र में चीकू बागानों में 4-5 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। नवरोपित बागों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए शेड नेट या ताड़ के पत्तों से अस्थायी छाया प्रदान करें। आम में स्पंजी ऊतक की समस्या से बचाव हेतु फलों की तुड़ाई सुबह जल्दी या देर शाम करें। **मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में** गन्ना, ग्रीष्मकालीन मूंगफली, सब्जियों और बागों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या भूसे की मल्चिंग करें; केले के घौंद को पत्तियों से ढकें; तथा नवरोपित केले के बागानों में शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

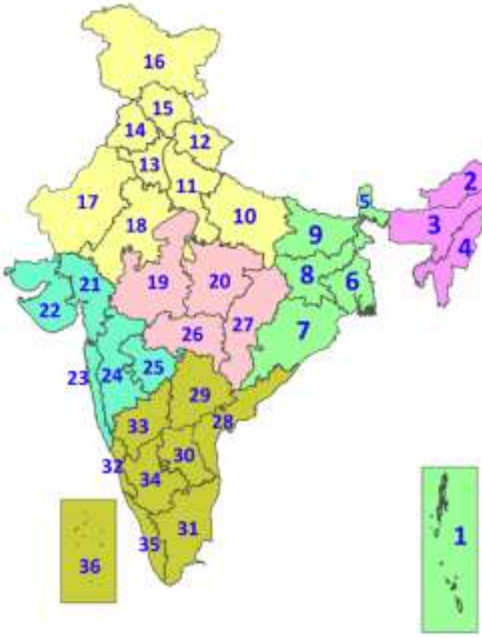

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate:** Wind speed 52-61 kmph **Severe:** Wind speed 62-87 kmph **Very Severe:** Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough:** Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high:** Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal:** Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm:** Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm:** Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom:** Wind speed >220 kmph (>119 knots)